गुरु नानक प्रकाश पर्व: श्रम, सेवा और समानता की सीख

प्रकाशन: 25 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 23 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: भारतीय संस्कृति; मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-I (संस्कृति), IV (नैतिकता)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

प्रधानमंत्री ने 23 नवंबर 2026 को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व से जुड़े शबद कीर्तन में भाग लिया। PIB का आधिकारिक विवरण इसकी पुष्टि करता है। पर्यटन मंत्रालय की Incredible India सूची में 2026 का गुरु नानक जयंती पर्व 24 नवंबर दिया गया है। समारोह का समाचार-प्रसंग और ऐतिहासिक शिक्षाओं का अध्ययन अलग रखें। [1][2]

इतिहास की बुनियाद

पर्यटन मंत्रालय का पृष्ठ गुरु नानक का जन्म-वर्ष 1469 बताता है। इस लेख का केंद्र उनकी शिक्षाएँ और सार्वजनिक नैतिकता है। वर्तमान भाषण की हर राजनीतिक उपलब्धि को गुरु नानक के काल का तथ्य या इतिहास का स्वतंत्र प्रमाण न मानें। [2]

तीन शिक्षाओं का अर्थ

PIB विवरण में किरत करो, वंड छको और नाम जपो का उल्लेख है। सिख समुदाय संस्था Guru Nanak Nishkam Sewak Jatha (GNNSJ) की व्याख्या में नाम जपो स्मरण और आध्यात्मिक अनुशासन, किरत करो ईमानदार परिश्रम और वंड छको अर्जित संसाधनों को साझा करने की सीख है। इन्हें केवल नारा या किसी वर्तमान सरकारी योजना का नाम न समझें। [1][3]

सेवा और लंगर

विश्लेषण: Incredible India लंगर को सामुदायिक भोजन तथा समानता और साझा मानवता का उदाहरण बताता है। सेवा में दूसरों के लिए काम करना और श्रम के फल साझा करना केंद्रीय मूल्य हैं। नैतिक विश्लेषण में इसका महत्व गरिमा और सहभागिता है, किसी व्यक्ति की धार्मिक पहचान से उसकी नागरिक पात्रता तय करना नहीं। [2][3]

भक्ति और सामाजिक आचरण

विश्लेषण: आध्यात्मिक स्मरण, ईमानदार काम और साझा भलाई को साथ पढ़ने पर निजी आस्था तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संबंध स्पष्ट होता है। GNNSJ की व्याख्या साझा करना केवल दान नहीं, परस्पर निर्भरता की पहचान भी मानती है। यह संस्थागत जवाबदेही का उपयोगी नैतिक उदाहरण है, आधुनिक संवैधानिक कानून का विकल्प नहीं। [3]

आज के लिए प्रासंगिकता

लोक-सेवा में ईमानदार श्रम, वंचित व्यक्ति की गरिमा, बिना भेदभाव सहयोग और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग को इन शिक्षाओं से जोड़कर समझा जा सकता है। यह समकालीन अनुप्रयोग है, ऐतिहासिक गुरु द्वारा किसी वर्तमान प्रशासनिक ढाँचे का निर्देश दिए जाने का दावा नहीं।

परीक्षा में सावधानी

जन्म-वर्ष, उत्सव की तारीख और शिक्षाओं को अलग प्रकार के तथ्य समझें। स्रोत से बाहर विवादित यात्राएँ, चमत्कार, सटीक जन्म-समय या अनावश्यक वर्षगाँठ संख्या न जोड़ें। उत्तर में श्रम, स्मरण और साझेदारी को सेवा तथा समानता से जोड़ें; सम्मानजनक भाषा रखें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: किरत करो की शिक्षा ईमानदार श्रम से जुड़ी है।

कथन 2: वंड छको अर्जित संसाधन साझा करने की सीख देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: किरत करो ईमानदार श्रम की सीख है।

कथन 2 सही है: वंड छको अर्जित संसाधन साझा करने की सीख है। नाम जपो के साथ ये शिक्षाएँ स्मरण, श्रम और साझेदारी को जोड़ती हैं।

pcsmantra.com

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

गुरु नानक की श्रम, सेवा और साझेदारी की शिक्षाएँ लोक-सेवा की नैतिकता को कैसे समृद्ध कर सकती हैं? (150 शब्द, 10 अंक)

1. **भूमिका में**

   तीन शिक्षाओं का संक्षिप्त परिचय दें।

2. **मुख्य भाग में**

   ईमानदार श्रम, साझा संसाधन, गरिमा, सेवा और समानता को सार्वजनिक आचरण से जोड़ें।

3. **निष्कर्ष में**

   धार्मिक सम्मान और संवैधानिक नागरिक समानता साथ रखें।

स्रोत

- https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2340635&lang=2&reg=48
- https://www.incredibleindia.gov.in/en/festivals-and-events/guru-nanak-jayant
- https://gnnsj.org/wp-content/uploads/2025/10/2019-08-Guru-Nanak-Dev-Ji-550th-Anniversary-Booklet.pdf

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ क्या लेख किसी नई सरकारी योजना पर है?

नहीं। प्रकाश पर्व का समाचार-प्रसंग शिक्षाओं और नैतिकता के अध्ययन का आधार है।

▼ लंगर का सामाजिक अर्थ क्या है?

सामुदायिक भोजन के माध्यम से समानता, सेवा और साझा मानवता।

▼ क्या आधुनिक अनुप्रयोग ऐतिहासिक निर्देश हैं?

नहीं। लोक-सेवा से संबंध लेख का नैतिक विश्लेषण है।

pcsmantra.com